रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

बदलते आयामों के अनुसार अपग्रेड हों विश्वविद्यालयीन शैक्षणिक व्यवस्थाएं– कुलपति प्रो. देव मिश्र

विश्वविद्यालय के 65वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर विजन एवं एक्शन प्लान ई–संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर 12 जून। कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच शैक्षणिक क्षेत्र में कई तरह की चनौतियां सामने आई हैं। शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों को सुयोग्य अवसर में बदलना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से लेकर भी विश्वविद्यालय की अकादमिक संरचना में नवचारों को शामिल करते हुए परिवर्तन जरूरी है, ऐसे में बदलते आयामों के अनुसार विश्वविद्यालयीन शैक्षणिक व्यवस्थाओं को भी अपग्रेड होना आवश्यक है। ये विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 65वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर व्यक्त किये।

रादुविवि के 65वें स्थाना दिवस की पूर्व संध्या पर 'विजन एंड एक्शन प्लान' विषय पर आयोजित ई–संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सभी को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि कोराना से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच भी विद्यार्थियों को रोजगारमूलक एवं स्वरोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए विवि प्रतिबद्ध है। विवि की ओर से 32 नए पाठ्यक्रम, डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में प्रारंभ किये जा रहे हैं। वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस ई–संगोष्ठी में समस्त संकायाध्यक्षों द्वारा अपने–अपने संकायों की भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने विश्वविद्यालय की गरिमामयी परम्परा की जानकारी दी।

नए विषयों पर फोकस, अध्यापन पद्धतियों का उन्नयन–

ई– संगोष्ठी में सामाजिक विज्ञान के प्रो. रामशंकर ने वैश्विक स्तर पर तकनीक में परिवर्तन एवं कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितयों को देखते हुए अध्यापन कार्य में अधिक से अधिक नई तकनीकों को शामिल करने, विद्यार्थियों के लिये ई–कंटेंट की उपलब्धता और सभी विषयों के कोर्सेस को रिडिजाईन की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। कला संकायध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने भाषा से ज्ञानार्जन के साथ रोजगार के पहलुओं की जानकारी देते हुए लैंग्वेज लैब, कम्युनिकेशन स्किल की आवशकताओं की जानकारी दी। जीव विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने क्लीनिकल शार्ट कोर्स, फूड टेक्नॉलॉजी, आग्रेनिक फार्मिंग पर आधारित कोर्स प्रारंभ करने पर बल दिया। वाणिज्य संकायध्यक्ष प्रो. अधिकेश राय ने शोध केन्द्रों के विस्तार व विवि में वाणिज्य विभाग की स्थापना की उपयोगिता को बताया। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश

बाजपेयी ने आधुनिक विज्ञान की शाखाओं और नए विषयों पर इंडस्ट्रीज की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर जानकारी प्रदान की।

विश्वविद्यालय विकास के लिए संकल्पित–

ई–संगोष्ठी में विवि कार्यपरिषद सदस्य प्रो. एम.पी. सिंह, डॉ. मनोज आर्या ने विश्वविद्यालय विकास के लिये संकल्पित होते हुए सभी संभव प्रयासों को सतत् जारी रखने की प्रतिबद्धता की बात कही। पूर्व कुलपति एवं अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. ए.डी.एन बाजपेयी, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पूर्व अध्यक्ष एवं विवि के वरिष्ठ आचार्य प्रो. एस.पी. गौतम ने रादुविवि की गौरवमयी यात्रा को उल्लेखित करते हुए इसके विवि विकास में सभी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। बायो डिजाईन संस्थान के डायरेक्टर प्रो. एस. एस. संधु ने नए अनुसंधानों एवं शोध की महत्ता पर प्रकाश डाला। ई–संगोष्ठी का संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र ने किया। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक, अतिथि विद्वान आदि उपस्थित रहे।

विभागाध्यक्षों ने पीपीटी के माध्यम से दी विभागीय नवाचारों की जानकारी

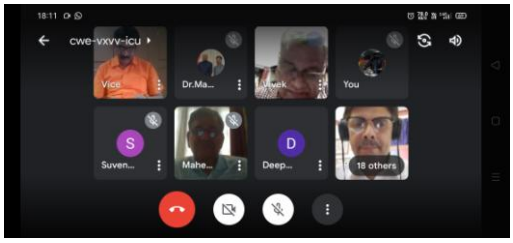

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार को विवि के समस्त शैक्षणिक विभागों में नवाचारों के प्रयोग की जानकारी वर्चुअल माध्यम से दी गई। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता एवं विवि कार्यपरिषद सदस्य श्री निखिल देशकर की मौजूदगी में आयोजित ऑनलाईन 'मंथन'कार्यक्रम में सभी शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्षों एवं विभाग प्रभारियों द्वारा पीपीटी के माध्यम से गत एक वर्ष में अपनायें गए नवाचारों, गतिविधियों एवं अनुसंधान पर सकारात्मक प्रयासों पर अपने–अपने विभागों की जानकारी प्रदान की गई। इसमें प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रो. एसएस संधु, प्रो. एसएन बागची, प्रो. आरपी मिश्रा, प्रो. एन.जी पेण्डसे, प्रो. विवेक मिश्रा, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. दिव्या चंसोरिया, डॉ. जेके मैत्रा, प्रो. भरत कुमार तिवारी, प्रो. आर.के.यादव, प्रो. राधिका मिश्रा, प्रो. अलका नायक, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. एम. दुबे, प्रो. शैलेष चौबे, डॉ. राजेश्वरी राणा, विवि स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव, विवि एनएसएस समन्वयक प्रो. अशोक कुमार मराठे आदि ने जानकारी प्रदान की। संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा एवं स्वागत व अभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने किया तकनीकी सहयोग डॉ. देवांशु गौतम का रहा।

प्रतिमाओं पर किया गया माल्यार्पण

विश्वविद्यालय के 65वें स्थापना दिवस के सुअवसर पर आज प्रातः 11.00 बजे सर्वप्रथम प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित गोंड साम्राज्ञी रानी दुर्गावती एवं संस्थापक कुलपति पद्मभूषण पं. कुंजीलाल दुबे की प्रतिमा पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा की उपस्थिति में उपस्थितजनों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेन्डसे, प्रो. एसएस संधु, स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, अनुभाग अधिकारी श्री मोतीलाल द्विवेदी, श्री राजमणि नासेरी, श्री सुरेन्द्र कुमार, श्रीलाल बैगा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।